दीपोत्सव की शुभकामनाएँ!

* नवांकुर विद्यापीठ *

क्रमशः

अंक – ४६ माह–अक्टूबर २०१०

प्रकाशक : नवांकुर प्रकाशन गंजबासौदा दूरभाष : 221066, 220769, 223399

प्रति,

_____

_____

_____

सार–समाचार

नडाल बने यू.एस. ओपन के चैम्पियनः–

दुनिया के नम्बर एक खिलाड़ी स्पेन के रफेल नडाल ने यू.एस. ओपन टेनिस चैम्पियन के फायनल में तीसरी वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोबिच को 6–4, 5–7, 6–4, 6–2 से हराकर खिताबी जीत हासिल करते हुए कैरियर ग्रैन्ड स्लेम पूरा किया। महिला एकल में गत चैम्पियन बेल्जियम की किम बिलस्टर्स ने सातवीं वरीयता प्राप्त रूस की वेश ज्वोनारेवा को 6–2, 6–1, से हराकर खिताब पर अपना कब्जा बरकरार रखा।

अब होगी क्रिकेट की टेस्ट चैम्पियनशिपः–

अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् द्वारा गठित समिति ने अपनी रिपोर्ट में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के आयोजन को हरी झण्डी दे दी है। चार साल तक चलने वाली इस चैम्पियनशिप से न केवल दुनिया की नम्बर एक टीम का चयन होगा, बल्कि टेस्ट क्रिकेट के प्रति खेल–प्रेमियों का आकर्षण पैदा करने में मदद मिलेगी।

अमिताभ और थ्री इडियट्स सर्वश्रेष्ठः–

फिल्म 'पा' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीतकर अभिताभ ने अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। इससे पहले 1991 में 'अग्निपथ' तथा 2006 में 'हम' के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान मिल चुका है। आमिरखान अभिनीत 'थ्री इडियट्स' को सर्वश्रेष्ठ लोकप्रिय फिल्म का पुरस्कार मिला है।

सुशील कुमार बने कुश्ती के विश्व चैम्पियनः–

औलम्पिक कांस्य–पदक और एशियाई स्वर्ण–पदक विजेता पहलवान सुशील कुमार रूस के मास्को में विश्व कुश्ती–प्रतियोगिता में 66 किलोग्राम फ्री स्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर विश्व चैम्पियन बनने वाले पहले भारतीय

बन गये। सुशील ने पहले राउण्ड में यूनान के अगले राउण्ड में जर्मनी के क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के और सेमीफाइनल में अजर बैजान के पहलवान को पराजित किया।

मध्यप्रदेश में बनेगा गेहूँ-मक्का अनुसन्धान केन्द्रः-

मध्यप्रदेश में देश का पहला अन्तर्राष्ट्रीय गेहूँ एवं मक्का–अनुसन्धान केन्द्र खमरिया (जबलपुर) के निकट मानेगाँव में स्थापित होने जा रहा है। इस केन्द्र का नाम बोरलॉग इन्स्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया होगा। इसकी लागत लगभग 400 करोड़ रुपये होगी।

खटमल ने मार डाला एड्स का वायरसः-

शायद ही कोई होगा, जो खटमल से नफरत नहीं करता होगा। बिस्तर के नीचे आपकी नजरों से बचकर धूमने वाले खटमल में एड्स का वायरस मारने की क्षमता है। दक्षिण अफ्रीका में शोधकर्ताओं ने एड्स वायरल वाला खून खटमल को पिलाया, तो वायरस मर गया, लेकिन खटमल को कुछ नहीं हुआ। प्रयोग से ये भी साबित हुआ कि खटमल अपने अन्दर हेपेटाइटिस–बी के वायरस हफ्तों तक रख सकता है। ऐसे एक खटमल ने चिम्पैंजी को काटा, तो उसे संक्रमण नहीं हुआ।

छह वर्ष की उम्र में बना शेक्सपीयरः-

डर्बीशायर के रहने वाले लियो हण्टर नाम के बच्चे ने अपने कुत्ते पर 'मी एण्ड माय बेस्ट फ्रेण्ड' नाम से एक लघु उपन्यास लिखा है। हण्टर की उम्र महज छह साल है। हैरी पॉटर के इस नन्हे फैन को स्कूल में टीचर ने उसकी 'खराब स्टोरी राइटिंग' में सुधार करने को कहा। टीचर की यह बात बच्चे के दिल पर लग गयी, तब उसने पालतु कुत्ते पर एक लघु उपन्यास लिख डाला।

बिना ऑपरेशन होगा कैंसर का इलाजः-

कैंसर के रोगियों के लिए एक खुशखबरी। भाभा परमाणु शोध–केन्द्र (बी.आर.सी.) ने कैंसर का ऑपरेशनरहित उपचार ढूँढ लिया है। केन्द्र ने रेडियो फार्मास्यूटिकल्स वाय–90, पी–32 विकसित किये हैं। दावा किया जा रहा है कि इससे यकृत व त्वचा के कैंसर का इलाज भी किया जा सकता है।

2015 तक भारत में इण्टरनेट से जुड़ जायेंगे 23 करोड़ः-

भारत में इण्टरनेट इस्तेमाल करने वालों की संख्या 2015 में तीन गुनी बढ़कर 23.7 करोड़ हो जाएगी। अभी देश में 8.1 करोड़ लोग इसका इस्तेमाल करते हैं। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार भारत विश्व का सबसे बड़ा बाजार होगा। एक अमेरिकी संस्था बोस्टन कंसल्टिन्या ग्रुप की रिपोर्ट में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और इण्डोनेशिया आदि देशों में इण्टरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 1.2 अरब होगी, जो अमेरिका और जापान से तीन गुनी अधिक होगी।

भारत की मैरीकॉम ने जीती विश्व वॉक्सिंग चैम्पियनशिप-

भारत की सरिता मैरीकॉम ने लगातार पाँचवी बार महिला वाक्सिंग विश्व चैम्पियनशिप में विजय प्राप्त की।

–संकलनकर्ता
सुनील भावसार
(उ.श्रे.शि.)

प्रिय विद्यार्थियो,

हमारा देश त्यौहारों का देश कहा जाता है, जैसे ही एक पर्व निकलता है, दूसरा आ जाता है। विगत माह हमने उन शहीदों को श्रद्धांजलि दी, जिनके प्रयासों के कारण आज हम आजादी की साँस ले रहे हैं, तो वर्तमान माह हमें उन दिव्यात्माओं को आभार व्यक्त करने का मौका देता है, जिन्होंने शिक्षकों का रूप धारण कर हमारे भविष्य को सँवारा, हमारी संस्कृति, सभ्यता को जीवित रखा और हमारे अन्दर ज्ञान रूपी अन्धकार को मिटाकर ज्ञान–रूपी प्रकाश फैलाया। कहा भी जाता है कि ''शिक्षक वह दीपक है, जो खुद जलकर दूसरों को प्रकाश देता है। श्रीरामचन्द्र जी, स्वामी विवेकानन्द, अर्जुन, आरुणि आदि जिन महान् व्यक्तियों के पद चिह्नों पर हम चलना चाहते हैं, वे जिन गुरुओं के शिष्य रहे सोचो वे कितने महान् होंगे और वे गुरु इन शिष्यों को पाकर भी धन्य हो गये, जिन्होंने सारी दुनिया में अपना तथा अपने गुरुओं का नाम हमेशा के लिए अमर कर दिया। ऐसे ही गुरु–शिष्य सम्बन्धों के लिए यह भारत–भूमि प्रसिद्ध है। कुछ लोग कहते हैं कि आज न तो ऐसे गुरु बचे और न ही ऐसे शिष्य, लेकिन मैं मानता हूँ कि यदि ऐसा होता, तो एक शिक्षक कभी राष्ट्रपति नहीं बनता और रहा सवाल शिष्यों का, तो ऐसे कई उदाहरण हैं, जो इस देश का यशगान पूरी दुनिया में कर रहे हैं और कई प्रयासरत हैं, लेकिन लगातार बढ़ती पश्चिमी सभ्यता की होड़ ने उन्हें ऐसे दोराहे पर खड़ा कर दिया है जहाँ वे अपने–आप को असहाय, असन्तुष्ट एवं असमंजस में महसूस कर रहे हैं। इस दुविधा से निकालने के लिए मुझे एक कहानी याद आ रही है कि एक बार एक साधु किसी बिच्छू को पानी में डूबते देखता है, तो उसे उठाने लगता है, लेकिन जैसे ही वह उठाता है, बिच्छू उसे डंक मार देता है और फिर पानी में गिर जाता है। बिच्छू के बार–बार डंक मारने पर भी साधु अपने प्रयास से उसे बाहर निकाल देता है। इस घटना को देख एक व्यक्ति साधु से पूछता है कि ये बिच्छू बार–बार आपको डंक मार रहा था, फिर आपने इसे क्यों बचाया? तब साधु का उत्तर था कि डंक मारना उसका स्वाभाविक कर्म है और बचाना मेरा। ऐसी है हमारी भारत–भूमि, इसलिए विद्यार्थियो अब इस दोराहे में से वह रास्ता चुनो, जिसमें आपको इस भारत माता के पुत्र होने का गौरव प्राप्त हो सके, क्योंकि अब कोई राम पैदा नहीं होंगे, बल्कि वे आप ही हैं, जो आगे जाकर राम बनेंगे। अन्त में, मैं विद्यार्थियों के लिए यही कहूँगा–

मत पूछ मेरी मंजिल कहाँ है, अभी तो चलने का इरादा किया है। न मानेंगे हम हार कभी, यह किसी और से नहीं, बल्कि अपने आप से वादा किया है।

'' असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय, मृत्योर्माअमृतम् गमय।''

–योगेश चतुर्वेदी(सह सम्पादक)
व्याख्याता भौतिक

राष्ट्रपति–पुरस्कार से सम्मानित हुए स्काउट्स

विगत माह विद्यालय के स्काउट मनीष दुबे, राघवेन्द्र दाँगी, हर्षद भारद्वाज एवं अक्षय दीक्षित को राष्ट्रपति–पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सभी स्काउट्स को विद्यालय–परिवार की ओर से बधाई!

शिक्षक–संगोष्ठी के माध्यम से नवांकुर ने मनाया शिक्षक दिवस

'' हम सर्वप्रथम भारत के सच्चे नागरिक तैयार करें'' यह विचार नवांकुर विद्यापीठ में आयोजित शिक्षक–संगोष्ठी में प्राचार्य श्री शैलेन्द्र दीक्षित ने

व्यक्त किये। शिक्षक–संगोष्ठी में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाओं ने शैक्षणिक गतिविधियों में किये गये स्वयं के शोध एवं अनुसन्धान को सभी शिक्षकों

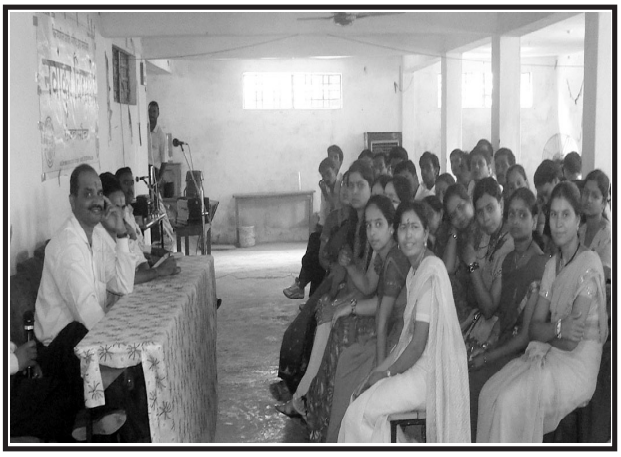

के बीच में रखा।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय के प्राचार्य एवं प्रभारीगण ने माँ सरस्वती के समक्ष पूजन–अर्चन कर किया। इसके बाद सभी शिक्षकों ने शिक्षण में स्वयं के प्रयोग, अनुशासन, शिक्षण में स्वयं के अनुभवों के कथन, विषयों पर विचार व्यक्त किये। साथ ही, इन विषयों पर नवाचार का प्रयोग कर शिक्षण–कला में सरलीकरण की विधि भी बतायी। सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं ने इस संगोष्ठी में अपने–अपने अनुभव व्यक्त किये। इस संगोष्ठी में विद्यालय द्वारा क्रय किये गये K-Yan के माध्यम से मल्टीमीडिया कण्टेण्ट पर आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

श्रद्धा–पुरस्कार 2009–10

क्रियाशील प्रगति परिषद् के अध्यक्ष डॉ. विजय शिरढोणकर की पुत्री श्रीमती श्रद्धा टिल्लू की ओर से प्रतिवर्ष ''श्रद्धा–पुरस्कार '' कक्षा 8 एवं कक्षा 10 में विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं को प्रदान किया जाता है। पुरस्कार के रूप में एक–एक हजार रुपये नकद प्रदान किये जाते हैं।

सत्र 2009–10 में कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कु. उमा दाँगी सुपुत्री श्री धीरज सिंह दाँगी को एवं कक्षा–10 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर कु. समीक्षा शाक्य सुपुत्री श्री आनन्द देव शाक्य को यह पुरस्कार 15 अगस्त के अवसर पर प्रदान किया गया। विद्यालय–परिवार की ओर से छात्राओं को बहुत–बहुत बधाई!

माह अक्टूबर में जन्मदिन वाले सभी विद्यार्थियों को ''नवांकुर -परिवार '' का शुभाशीष!

 ''आत्मा, परमात्मा की वह ज्योति है, जो सबके अन्दर जगमगा रही है।''– सन्त कृपाल सिंह

हिन्दी–पखवाड़े पर आयोजित हुई विभिन्न प्रतियोगिताएँ

नवांकुर विद्यापीठ द्वारा 14 सितम्बर से हिन्दी–पखवाड़े का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम 14 सितम्बर को हिन्दी–दिवस पर आचार्य शैलेन्द्र पिंगले, शम्भू सिंह रघुवंशी, केशव लाहौरी, आचार्या श्रीमती रेणु श्रीवास्तव एवं कु. वन्दना भार्गव ने माँ सरस्वती का पूजन–अर्चन कर हिन्दी–पखवाड़े का विधिवत् शुभारम्भ किया। आचार्यों का रासेयो के स्वयं–सेवक समर्पित जैन ने रोली–अक्षत् लगाकर स्वागत किया। इस उपलक्ष्य में छात्र–छात्राओं द्वारा एकल–गायन, सामूहिक गायन एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री शैलेन्द्र पिंगले जी ने हिन्दी के शब्दों का सही उच्चारण करने की विधि बतायी। शम्भू सिंह जी ने हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से छात्र–छात्राओं को अवगत कराया एवं आचार्या श्रीमती रेणु श्रीवास्तव ने कहा कि अन्य भाषायें भी सीखें, लेकिन हिन्दी भाषा की कीमत पर नहीं। उल्लेखनीय है कि हिन्दी–पखवाड़ा के अन्तर्गत भाषण, एकल–गान एवं सामूहिक–गान, निबन्ध–प्रतियोगिता, चित्रकला, रांगोली, काव्य–पाठ–प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को पुरस्कार प्रदान किये गये।

काव्य–पाठ–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. प्रियंका नरवरिया कक्षा–10 ने, द्वितीय स्थान कु. अंजली आचार्य कक्षा–10 ने एवं तृतीय स्थान कु. आकांक्षा शर्मा कक्षा–10 एवं कु. मोनिका रघुवंशी कक्षा–9 ने प्राप्त किया।

रांगोली–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. सिमरन वर्मा कक्षा–11 (गणित), द्वितीय स्थान कु. सुनन्दा अरोरा कक्षा–12 (वाणिज्य) एवं तृतीय स्थान कु. आयुषी जैन कक्षा–10 ने प्राप्त किया।

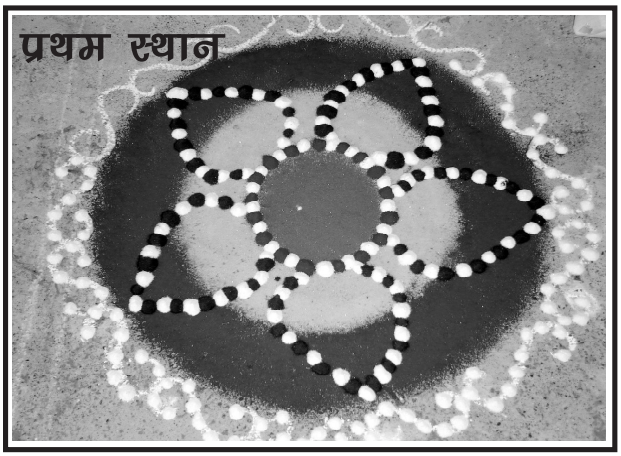

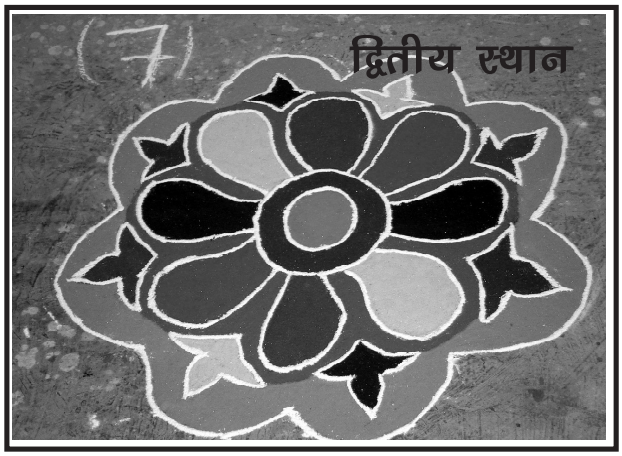

चित्रकला–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु. खुशबू तामेश्वरी कक्षा–12 (गणित), द्वितीय स्थान कु. शिवानी आचवल कक्षा–9 एवं तृतीय स्थान कु.

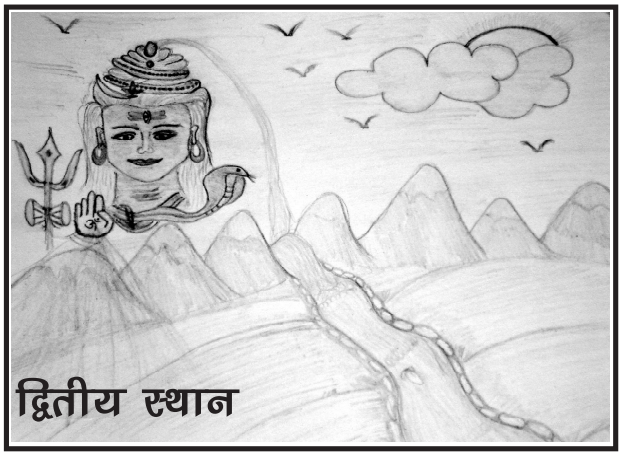

पूजा झा कक्षा–10 ने प्राप्त किया।

निबन्ध–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान राहुल रायकवार कक्षा–10, द्वितीय स्थान प्राची भदौरिया कक्षा–10 एवं तृतीय स्थान प्रदीप राजपूत कक्षा–11 (गणित) ने प्राप्त किया।

गायन–प्रतियोगिता में प्रथम स्थान आकांक्षा शर्मा कक्षा–10, द्वितीय स्थान कु. अपूर्वा शर्मा कक्षा–11 एवं तृतीय स्थान अंजली आचार्य कक्षा–10 ने प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को विद्यालय परिवार की ओर से बधाई।

डर

वैज्ञानिकों ने डर को स्वभाविक वृति बताया है। कुछ मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि डर कुछ हद तक वंशानुगत होता है। यदि बच्चे के माँ–बाप में यह गुण है, तो बच्चे में भी यह आ सकता है। कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के शोध का नतीजा इससे उलट है। शोध के अनुसार, यदि हम डर का माहौल बना दें, तो डर पैदा हो जायेगा। वैसे वैज्ञानिकों का मानना है कि डर एक मानसिक दशा है। लिहाजा दिमाग को चौकन्ना और विचारों को स्थिर रखकर इस पर काबू किया जा सकता है।

–वीरेन्द्र रघुवंशी
कक्षा– 10

नवांकुर के दो छात्र हुए नवोदय में चयनित

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी नवांकुर के छात्र–छात्राओं ने नवोदय–परीक्षा–परिणाम में अपनी उपस्थिति दर्ज करायी है। इस वर्ष विद्यालय के दो छात्र कौशिक सोनी पुत्र श्री दिनेश कुमार सोनी एवं नवीन पाटकर पुत्र श्री राकेश कुमार पाटकर ने जवाहर नवोदय चयन–परीक्षा में उत्तीर्ण होकर, विद्यालय व अपने परिवार का नाम रौशन किया। विद्यालय परिवार एवं शुभचिन्तकों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएँ दी हैं।

जरा सम्भलो

1 इतने गरम मत बनो कि लोग तुम्हें खा जाये।
2 इतने गरम मत बनो कि लोग तुम्हें छू भी न सकें।
3 इतने सरल मत बनो कि लोग तुम्हें मूर्ख बना दें।
4 इतने जटिल मत बनो कि लोग तुमसे मिल न सकें।
5 इतने गम्भीर मत बनो कि लोग तुमसे ऊब जायें।
6 इतने छिछले मत बनो कि लोग तुम्हें माने ही नहीं।
7 इतने मँहगे मत बनो कि लोग तुम्हें बुला न सकें।
8 इतने सस्ते भी मत बनो कि लोग तुम्हें नचाते रहें।
9 आपके एक पल का क्रोध आपका भविष्य बिगाड़ सकता है।

–विनय सोनी कक्षा– 8

खेल–प्रतियोगिताओं में नवांकुर के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

शालेय सम्भाग–स्तरीय विभिन्न खेल–प्रतियोगिताओं में नवांकुर के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर राज्य स्तर की खेल–प्रतियोगिताओं में दस्तक दी है। सम्भाग–स्तरीय शतरंज–प्रतियोगिता, जो गत दिवस जिला राजगढ़ में आयोजित की गयी, में नवांकुर के 15 खिलाड़ियों ने भाग लिया,

जिनमें से 5 खिलाड़ी विशाल रघुवंशी(कक्षा–9), कु. रुचि राय(कक्षा–11 गणित), कु. प्रियंका रघुवंशी (11 कॉमर्स), संगम रघुवंशी (11 गणित), कु. साक्षी जैन(12 गणित) का चयन सितम्बर में जिला टीकमगढ़ में आयोजित की गयी। राज्य–स्तरीय शतरंज–प्रतियोगिता के लिए हुआ। थ्रो बाल–प्रतियोगिता माह अगस्त में मण्डीदीप में आयोजित की गयी, जिसमें विद्यालय के 12 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से देवास में हुई राज्य–स्तरीय प्रतियोगिता में अनुपम तिवारी ने भाग लिया।

गंजबासौदा में आयोजित सम्भाग–स्तरीय खो–खो–प्रतियोगिता में नवांकुर के 10 छात्रों में से विशाल रघुवंशी, धर्मेन्द्र रघुवंशी (कक्षा11) का चयन

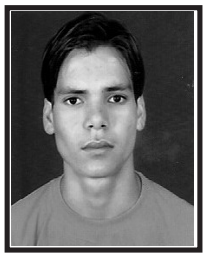
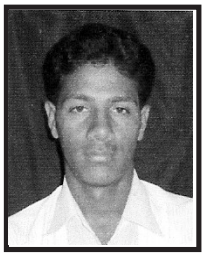

राज्य–स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता रीवा में आयोजित की गयी। सीहोर में आयोजित एथलेटिक्स–प्रतियोगिता में राजा रघुवंशी ने हेमर एवं गोला फेंक–प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त किया है।उल्लेखनीय है कि ये सभी खिलाड़ी खेल–प्रशिक्षक कपिल गौड़ के नेतृत्व में परचम लहरा रहे हैं। सभी खिलाड़ियों को विद्यालय–परिवार की ओर से बधाई।

One Mistake of My Life

आज भी वह दिन मुझे अच्छी तरह याद है। रविवार के दिन मैं घर पर ही था। मेरी माँ ने मटर के दाने छीले और मुझसे कहा बेटा, ये कचरा डस्टबिन में डाल आओ। मैंने वे मटर के छिलके एक पॉलीथिन में भरकर रोड़ पर फेंक दिये, एक गाय आयी और उसने छिलकों को पॉलिथिन सहित खा लिया। कुछ दिनों बाद मैंने देखा कि वह गाय रोड पर पड़ी थी तथा उसके मुँह में से झाग निकल रहा था। जब पशु–चिकित्सक को लोगों ने बुलाया, तो उन्होंने कहा कि इसकी आँत में पॉलिथिन फँस गयी है। देखते–ही–देखते गाय ने दम तोड़ दिया। मेरी आँखों में आँसू आ गये। काश! मैं वह पॉलिथिन रोड पर न फेंकता तो वह गाय जीवित होती। वह मेरे जीवन की पहली व अन्तिम गलती थी। तब से लेकर आज तक मैंने कभी पॉलिथिन को रोड पर नहीं फेंका और मैं बहुत जरूरी होने पर ही पॉलिथिन का उपयोग करता हूँ। आज मैं सभी से प्रार्थना करता हूँ कि पॉलिथिन का प्रयोग समय आने पर ही करें एवं रोड पर न फेंके।

–रघुनाथ दुबे कक्षा– 9

यातायात–दुर्घटना और विद्यार्थी

इस भाग–दौड़–भरी जिन्दगी ने सभी के जीवन में तनाव भर दिया है। भीड़–भरी सड़कों पर यातायात का दबाव दिनों–दिन बढ़ता ही जा रहा है। सड़कें पैदल, साइकिल, हाथ–ठेला, दुपहिया वाहन, रिक्शा, ऑटो, भारी वाहन तथा आवारा जानवरों से भरी पड़ी हैं। यह नजारा उस समय और भी खतरनाक हो जाता है। जब नवांकुर विद्यापीठ, भारत माता कान्वेंट विद्यालय, शासकीय उत्कृष्ट बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैसे बड़े विद्यालयों का अवकाश होता है। विद्यार्थियों की अवकाश के दौरान की गतिविधियों पर सूक्ष्म दृष्टिपात करें, तो मेरा मन स्वाभाविक रूप से चिन्ता ग्रस्त हो जाता है, इसलिए मैं इस लेख में उन बिन्दुओं और उनके निराकरण पर विचार व्यक्त करूँगा :–

(अ) अवयस्क (18 वर्ष से कम) उम्र के विद्यार्थी दोपहिया वाहन (मोटरसाइकिल) चलाते हैं।

(ब) एक वाहन पर तीन–तीन विद्यार्थी सवारी करते हैं।

(स) कोई विद्यार्थी हेलमेट नहीं लगाता है।

(द) दो वाहन–चालक आपस में बात करते हुए समानान्तर चलाते हैं तथा दूसरी तरफ से आने वाले यातायात में बाधा पहुँचाते हैं।

(इ) तेज गति से वाहन चलाते हैं, जैसे कहीं आग बुझाने जा रहे हों।

(फ) बिना नम्बर एवं बिना ड्रायविंग लाइसेंस के गाड़ी चलाते है।

(व) साइकिल लहराते हुए तथा हाथ छोड़कर चलाते हैं।

(छ) एक दूसरे से आगे जाने की स्पर्द्धा सड़क पर करते हैं और वाहन या साईकिल तेज चलाते हैं।

(ज) सड़क पर चलते समय बड़े वाहनों को गलत जगह और गलत समय पर ओवर टेक करते हैं।

(ट) विद्यार्थी पूरी सड़क कवर करके चलते हैं, जबकि आधी सड़क आने वालों तथा आधी सड़क जाने वालों के लिए होती है।

(ठ) ऑटो तथा रिक्शॉ में जानवरों की तरह भरे नौनिहालों की हालत देखने लायक होती है।

इन सब के जिम्मेदार कौन हैं, पालक, विद्यालय, प्रशासन। यह जिम्मेदारी एक–दूसरे पर थोपने की बजाय, सामूहिक रूप से लेनी होगी। अपनी–अपनी जिम्मेदारी को स्वयं निभाना होगा। आप सब से विनम्र अनुरोध के साथ निम्नलिखित सुझाव दिये जा रहे हैं:–

(अ) माता-पिता के लिए –

अपने बच्चों की सुरक्षा की दृष्टि से निम्न लिखित सुझावों पर यथा सम्भव पालन करने की कोशिश करें–

(i) अपने अवयस्क बच्चों को शीघ्र वयस्क न बनायें।

(ii) अपने बेटे/बेटी को गाड़ी के साथ–साथ ड्रायविंग का प्रशिक्षण, डायविंग–लाइसेंस एवं हेलमेट अवश्य दिलायें।

(iii) अपने बेटे/बेटी को हिदायत दें कि एक साथ तीन–तीन न बैठें। गाड़ी चलाते समय आपस में बात न करें। गाड़ी कम गति पर चलायें।

(iv) ऑटो/रिक्शॉ में बैठाते और उतारते समय अपने बच्चों की हालत देखें।

(ब) विद्यालय :–

अवकाश के समय कम–से–कम दो अध्यापक (विद्यालय और सड़क के बीच) या सड़क से आगे 100 मीटर दूर तक खड़े होकर गलती करने वाले छात्रों पर नजर रखें तथा बाद में उन्हें अलग बुलाकर समझायें। स्काउट एवं गाइड या एन.सी.सी. के छात्रों का उपयोग यातायात–व्यवस्था में कर

सकते हैं। पुलिस–अधिकारियों के साथ मिलकर भाषण या वाद–विवाद–प्रतियोगिता आयोजित करा सकते हैं।

(स) प्रशासनः–

बिना नम्बर वाली गाड़ी, एक साथ तीन–तीन बैठकर यात्रा करने वालों तथा बिना हेलमेट के खासकर अवयस्क विद्यार्थियों पर यथोचित जुर्माना करें, लेकिन इससे पहले कुछ दिन चेतावनी दें, जिससे पालकों पर अनावश्यक बोझ न पड़े। विद्यालयों में इस विषय पर भाषण या वाद–विवाद प्रतियोगिता आयोजित करायें।

स्काउट एवं गाइड या एन.सी.सी. के छात्रों का समय–समय पर यातायात में प्रयोग करें। आवारा पशुओं को सड़क से हटाने की व्यवस्था करें। ड्रायविंग के प्रशिक्षण की उचित व्यवस्था करें। ऑटो/रिक्शॉ/ चालकों द्वारा की जा रही ओवर लोडिंग पर नियन्त्रण किया जाये। इसके लिए पालक, विद्यालय एवं प्रशासन के लोगों की एक कमेटी ऑटो/रिक्शॉ में छात्रों की संख्या निर्धारित करें।

आशा है कि इन सुझावों पर अमल करने से दुर्घटनाओं में कुछ कमी जरूर आयेगी।

–लेफ्टिनेंट सतीश कुमार शर्मा

सम्माननीय महोदय,

नवांकुर विद्यापीठ का मासिक समाचार–पत्र नियमित रूप से प्राप्त होता है। उसी श्रृंखला में अप्रैल माह का अंक प्राप्त हुआ। अंक में विद्यार्थियों के लिये अत्यन्त उपयोगी पठनीय सामग्री है। मैरिट–सूची के प्रकाशन से, जो विद्यार्थी मैरिट में आये हैं, उन्हें प्रोत्साहन मिलेगा एवं जो छात्र मैरिट सूची से वंचित रह गये हैं, उन्हें प्रेरणा प्राप्त होगी। क्रमशः विद्यार्थियों के चहुमुखी विकास में मील का पत्थर साबित होगी।

घन्यवाद!

–अतुल शाह सचिव
बेतवा उत्थान समिति विदिशा

फैशन डिजायनिंग

आमतौर पर अधिकांश छात्र–छात्राएँ कैरियर का चुनाव Choice के आधार पर नहीं, Chance के आधार पर करते है। पारिवारिक दबाव व सामाजिक प्रतिष्ठा के चक्कर में पड़कर वे अपनी दिलचस्पी को तांक पर रख देते हैं। उन्हें यह भी पता नहीं होता कि आज इतने अधिक व्यावसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं कि सामान्य रूप से किसी कोर्स में दाखिला लेकर, उच्च शिक्षा पर बोझ कम करने तथा बेरोजगारी से बचने के लिए बेहतर है कि किसी ऐसे कोर्स का चुनाव किया जाये, जिसमें स्वयं की पर्याप्त दिलचस्पी हो और आगे बढ़ने के अवसर के साथ रोजगार की गारण्टी भी हो। कुछ इसी तरह का कोर्से है, ''फैशन एक्सेसरीज डिजायनिंग''।

फैशन एक्सेसरीज डिजाइनिंग में मूल्यवान् और कॉस्ट्यूम ज्वैलरी, फुटवियर, वॉचेस, स्कार्ब्स, गिफ्टवेयर, टेबलवेयर, सिल्वर वेयर व अन्य लाइफस्टाइल प्रोडक्ट बनाये जाते हैं। यहाँ तक कि इसमें विजुअल मर्चेंटाइजिंग भी की जाती है। फैशन एक्सेसरीज डिजाइनर्स इन हाउस या फ्री लांसर के तौर पर कार्य करते हैं। आपकी रुचि के अनुसार आप किसी एक एक्सेसरीज जैसे ज्वेलरी या फुटवियर डिजायनिंग का क्षेत्र चुन सकते हैं। एक्सेसरीज डिजायनिंग में Cource कुछ प्रतिष्ठित स्कूल जैसे कि 'निफ्ट' में यहाँ फैशन व लाइफ स्टाइल एक्सेसरीज में एक रिस्ट्रक्चर्ड (चार वर्ष) का एक प्रोग्राम कराया जाता है। इसके लिए योग्यता बारहवीं उत्तीर्ण होना है। कोर्स में छात्रों को डिजाइनर, ब्राण्ड मैनेजर्स, के तौर पर विकसित किया जाता है। पर्सनल प्रोडक्ट व इण्टीरियर एक्सेसरीज से सम्बन्धित कोर्स 'निफ्ट' बंगलौर में कराया जाता है, फुटवियर एण्ड लेदर प्रोडक्ट्स, निफ्ट गाँधीनगर से तथा इण्टीरियर प्रोडक्ट्स, हैण्डी क्राफ्ट्स, मिक्स मीडिया एण्डग्लास में कोर्स 'निफ्ट' हैदराबाद से कराया जाता है। इसी तरह के कोर्स निफ्ट भोपाल में भी कराये जाते हैं।

अधिक जानकारी के लिए देखें–

www-niftindia.com

–मनीष मैथिल उ.श्रे.शि. (सह.सम्पादक)

बुरी संगति

एक लड़का बुरी संगति में पड़ गया था। उसने कई बुरी आदतें अपना ली थीं। उसके पिता ने उसे सही रास्ते पर लाने की कोशिश की, परन्तु उसने पिता की बात पर ध्यान नहीं दिया। तब उन्होंने एक योजना बनायी। वे बाजार से एक सड़ा हुआ सेब और कुछ अच्छे सेब खरीद लाये। उन्होंने पुत्र से टोकरी में अच्छे सेबों के बीच वह सड़ा हुआ सेब भी रखने के लिए कहा। कुछ दिनों के बाद पिता ने पुत्र से टोकरी लाने के लिए कहा। पुत्र यह देखकर हैरान रह गया कि सभी सेब सड़ गये हैं। पिता ने कहा– एक सेब ने अच्छे सेबों को सड़ा दिया है। इसी तरह बुरी संगति से लोग बिगड़ जाते हैं। पुत्र को पिता की सलाह अच्छी लगी। उसने बुरी संगति छोड़ दी।

इससे हमें यह सीख मिलती है कि हमें कभी बुरे व्यक्ति के साथ नहीं रहना चाहिये और न ही बुरे बनना चाहिये।

–कु. आकांक्षा भार्गव
कक्षा– 8

भारत

भारत ही हमारी शान है,
लक्ष्य हमारा ज्ञान है।
ज्ञान ही शक्ति है,
शिक्षा हमारी भक्ति है।
एक नया युग हम लायेंगे,
खुशियों के दीप जलायेंगे।
हमें आगे बढ़ते जाना है,
देश को और महान् बनाना है।

–कु. वैशाली जैन कक्षा– 7

राष्ट्र–भाषा

'हिन्दी' की बदहाली'

हिन्दुस्तान में हो गया, हिन्दी का यह हाल,
हिन्दी–दिवस मनायें हम, बिन चूके हर साल।
हिन्दी का स्मरण हो, वर्ष में बस एक माह,
बाकी पूरे साल–भर, हिन्दी भरती आह।
अंग्रेजी का हो रहा, ऐसा भूत सवार,
सण्डे–सण्डे सब रहे, भूल गये रविवार।
अब बाबू जी मर गये, जिन्दा हो गये डैड,
आत्मीयता भी हो गयी, अंग्रेजी में कैद।
जो बोले हिन्दी यहाँ, उसको समझें हीन,
अंग्रेजी के सामने, हिन्दी की तौहीन।
माना अच्छी बात है, हर भाषा का ज्ञान,
किन्तु कहाँ तक उचित है, हिन्दी का अपमान।
हिन्दी के उपयोग में, क्यों इतना संकोच,
किस भाषा में पाओगे, हिन्दी जैसी लोच।
हिन्दी तो बनकर रहे, हर भाषा का ताज,
हमने इसको कर दिया, परिचय का मोहताज।
क्यों यह हिन्दी दिवस है, क्यों यह हिन्दी मास।
हिन्दी में ही बात करें, हिन्दी में हो काम,
तब ही हिन्दी पायेगी, सम्मानित स्थान।

–कु. रितिका रघुवंशी कक्षा– 8

EDUCATION

Education - शिक्षा, अध्यापन

E-	**Energy**	**-**	ऊर्जा,
D-	**Discipline**	**-**	अनुशासन,
U-	**Utility**	**-**	उपयोग,
C-	**Confidence**	**-**	आत्मविश्वास,
A-	**Ability**	**-**	योग्यता,
T-	**Technique**	**-**	तकनीक,
I-	**Intelligence**	**-**	बुद्धिमानी,
O-	**Obedience**	**-**	आज्ञाकारी,
N-	**Nobility**	**-**	आदर्श।

-Abhishek Dubey
Class 11th (Math)

"घृणा, घृणा से कभी कम नहीं होती, प्रेम से ही दूर होती है।"– महात्मा बुद्ध

माता–पिता को भूलो नहीं

भूलो सभी को तुम मगर, माँ–बाप को भूलो नहीं।
उपकार अनगिनत हैं, कभी इस बात को भूलो नहीं। पत्थर कई पूजे, तुम्हारे जन्म की खातिर अरे,

पत्थर बनकर माँ–बाप की छाती कभी रूँधो नहीं।
मुख का निवाला दे अरे, जिसने तुम्हें बड़ा किया,
अमृत दिया तुमको, जहर उनके लिए उगलो नहीं।
कितने लड़ाये लाड़, सब अरमान भी पूरे किये,
पूरे करो, सब अरमान उनके, इस बात को भूलो नहीं।
लाखों कमाते हो भले, माँ–बाप से ज्यादा नहीं,
सेवा बिना सब राख है, मद में कभी भूलो नहीं।
सो कर स्वयं गीले में, सुलाती थी, तुम्हें सूखी जगह।
माँ की बरसती भावना को, तुम कभी कुचलो नहीं।
जिसने बिछाये फूल थे, हरदम तुम्हारी राह में।
उस रहबर के प्राण को, कण्टक बन कर शूलो नहीं।
धन तो मिलेगा फिर से भी, पितु–मातु न मिल पायेंगे।
उनके चरण की धूल लेना, तुम कभी भूलो नहीं।
सन्तान की सेवा मिले, सन्तान बन सेवा करो,
जैसी करनी वैसी भरनी, इस सत्य को भूलो नहीं।

–संयम जैन
कक्षा– 10

बिटिया

बिटिया पढ़–लिख कर क्या करेगी?
आखिर चौका–चूल्हा ही करेगी।
बेटी पराया धन है।
'गर यही हमारा चिन्तन है,
या बेटी के लिए अपनापन है,
समझो हमारे विचारों में अनबन है।
बिटिया पर अन्याय अत्याचार है,
मानवता ही हार है।
बिटिया से ऐसा विराग क्यूँ? बेटे से राग क्यूँ?
क्या बेटी को जन्म देने में,
जननी कम पीड़ा सहती है?
कि नौ माह कोख में नहीं ढोती?
अतः बिटिया को अभिशाप नहीं वरदान मानें।
उसकी भावना को पहचानें।
बिटिया ममता की खान है, हर युग में महान है।
बेटी घर का मान है, बेटी जग की शान है।
बेटी सृष्टि की आधारशिला है।
फिर क्यूँ बिटिया से शिकवा–मिला है?
क्या बिटिया माँ–बाप की चिन्ता नहीं कर सकती?
मुसीबतों से नहीं लड़ सकती?
या खुशियाँ नहीं ला सकती?
श्रम–गीत नहीं गा सकती?
बिटिया नया सवेरा ला सकती है।
बिटिया देश के काम आ सकती है।
बस, बेटी–बेटे का भेद मिटायें,
बिटिया को खूब पढ़ायें,
उसे भी इंसान समझें,
बिटिया पर नेह के फूल बरसायें।

–संकलन : प्रवीण रघुवंशी
कक्षा– 9

क्रिकेट की देन

'खेलोगे–कूदोगे तो बनोगे खराब' की मानसिकता हमारे देश में गहरी पैठ जमाये हुए है। बच्चों की प्रतिभा पर शायद ही कोई पालक ध्यान देता हो। उनका सपना तो रट्टू तोते की तरह सबक याद कर हासिल किये गये नम्बरों पर रहता है। ऐसी मानसिकता के कारण हमारे देश की ज्यादातर युवा–शक्ति खेल से दूर ही रहती है और कई तो ऐसे भी मिल जायेंगे, जिन्हें यह भी नहीं मालूम होगा कि हमारा राष्ट्रीय खेल कौन–सा है। विश्व के सबसे पसन्दीदा और ज्यादा खेले जाने वाले गेम फुटबाल के विश्व कम में भारतीय टीम का शामिल ना हो पाना शर्मनाक है और उसके लिए दोष सरकार को नहीं दिया जा सकता। हमारे देश में क्रिकेट धर्म की तरह लिया जा रहा है। क्रिकेट के कई मैच तो दीवाली साथ लेकर आते हैं। ये सब सितारा क्रिकेट खिलाड़ियों के अत्यधिक धन कमाने के कारण सम्भव हो पाया है। एक अच्छे ऊँचे पद पर कार्य करने वाला भी इतनी तनख्वाह नहीं पाता, जितनी कि क्रिकेट–खिलाड़ी, एक विज्ञापन कम्पनी से कमा लेते हैं। क्रिकेट में बरसने वाले धन ने पालकों की आँखें इस कदर चौंधियाँ दी हैं कि वे स्कूल जाने से पहले बच्चों को क्रिकेट सिखाने वाले स्कूल में दाखिल कर देते हैं। क्रिकेट की आँधी में हॉकी, फुटबॉल आदि कहाँ टिक सकते हैं। क्रिकेट की क्या स्थिति है, सभी को पता है कि हर गाँव में क्रिकेट ही खेला जाता है। अब दूसरे खेलों की गुंजाइश कम बचती है। फिलहाल क्रिकेट के कारण ही भारत की खेलों में नाक बची हुई है। 80 प्रतिशत माँ–बाप अपने बच्चों को तेन्दुलकर बनाने का सपना संजोने लगे हैं।किसी खेल के लिए दो चीजों का होना जरूरी होता है, एक तो जुझारूपन और दूसरा खेल की भावना हो, तो दुनिया का कोई खेल जीतना आसान हो जाता है, हममें शायद इन दोनों तत्त्वों की कमी है, इसलिए 100 करोड़ में से 10–15 खिलाड़ी निकालना मुश्किल हो गया है।

–प्रदीप रघुवंशी
कक्षा– 11 (गणित)

अपनी अकल लगाओ

एक बार एक व्यापारी अपने बेटै के साथ अपने पड़ोस के गाँव जाने के लिए निकला। व्यापारी ने अपने गधे को भी साथ ले लिया।

गधा कमजोर था, उस पर दो सवारी नहीं बैठ सकती थी, इसलिए व्यापारी ने अपने बेटे को गधे पर बैठा दिया और खुद पैदल चलने लगा। रास्ते में चार–पाँच छोटे गाँव पड़ते थे।

अभी वे थोड़ी ही दूर पहुँचे थे कि पहले गाँव में एक आदमी ने उन्हें देखकर कहा कि –देखो कैसा बेटा है, अपने बापू का जरा भी ख्याल नहीं है इसे। बापू पैदल चल रहा है और यह मजे से गधे पर सवार होकर जा रहा है। लड़के ने यह सुना, तो वह गधे से उतरकर बापू के साथ पैदल चलने लगा। थोड़ी देर बाद जब वे एक दूसरे गाँव पहुँचे, तो उन्हें देखकर एक आदमी बोला– कैसे मूर्ख बाप–बेटे हैं, गधे के होते हुए भी पैदल चल रहे हैं। दोनों ने जब यह बात सुनी, तो उन्हें बुरा लगा। गाँव से बाहर निकलते हुए, वे दोनों गधे पर सवार हो गये। अब वे रास्ते में पड़ने वाले तीसरे गाँव में पहुँचे। यहाँ उन्हें फिर एक आदमी मिला। उसने देखा कि एक मरियल गधे पर दो सवारी बैठी हैं, तो वह बोला कि कैसे बेशर्म बाप–बेटे हैं। गधा मरा जा रहा है और ये सवारी कर रहे हैं।

अब व्यापारी तथा उसके बेटे को समझ में आ गया कि आप हर किसी को खुश नहीं कर सकते। इसलिए दूसरों की परवाह न करते हुए अपने हिसाब से काम करना चाहिए।

–देवेन्द्र सिंह राठौर कक्षा–11(गणित)

उम्र के हिसाब से जीवन को ढालना

10 सालमें खिलौना छोड़ दो,
20 साल में माँ की अँगुली छोड़ दो।
30 साल में आँखें धुमाना छोड़ दो,
40 साल में होटल का खाना छोड़ दो।
50 साल में रात का खाना छोड़ दो,
60 साल में व्यापार करना छोड़ दो।
70 साल में विस्तर पर सोना छोड़ दो,
80 साल में लस्सी पीना छोड़ दो।
90 साल में जीने की आशा छोड़ दो,
100 साल में यह दुनिया छोड़ दो।

कु. अनामिका परमार
कक्षा–11 (बायो)

एक नजर विज्ञान की ओर

1 माचिस की डिबिया पर क्या लगाया जाता है?
2 कुएँ में कौन–सी दवा डाली जाती है?
3 मनुष्य के आँसू में क्या पाया जाता है?
4 ध्वनि की गति कितनी होती है?
5 चाय में कौन–सा तत्त्व होता है?
6 कौन–सा रसायन पानी में जलता है?
7 नकली सोना किसे कहते हैं?

उत्तर – 1. रेड फास्फोरस, 2. परमेंगनेट या क्लोरिन पाउडर 3. सोडियम क्लोराइड, 4. 332 मीटर प्रति सेकंड, 5. कैफीन, टैनिन तथा थियोफाइलिन, 6. सोडियम, 7. आयरन आक्साइड को।

–कु. नेहा पाल
कक्षा– 8

लक्ष्य

एक लक्ष्य निश्चित करना, जीवन की एक बड़ी कठिनाई दूर करने के समान है। लक्ष्य पाने का सफल मन्त्र ''तन्मयता'' है; जिसका अर्थ है, लीन हो जाना। संसार में काम करने वाले बहुत हैं, काम को बोझ समझकर करने वाले और भी अधिक हैं, परन्तु लक्ष्य के प्रति समर्पित होकर एकनिष्ठ होकर कार्य करने वाले बहुत कम हैं।

–रवि प्रजापति कक्षा– 10

कविता

लगा सको तो बाग लगाओ,
आग लगाना मत सीखो।
जला सको तो दीप जलाओ,
दिल जलाना मत सीखो।
गा सको तो प्रभु'–गुण गाओ,
बक–बक करना मत सीखो।
दिखा सको तो सही राह दिखाओ,
राह भुलाना मत सीखो।

–संकलित आरती अग्रवाल
कक्षा– 4

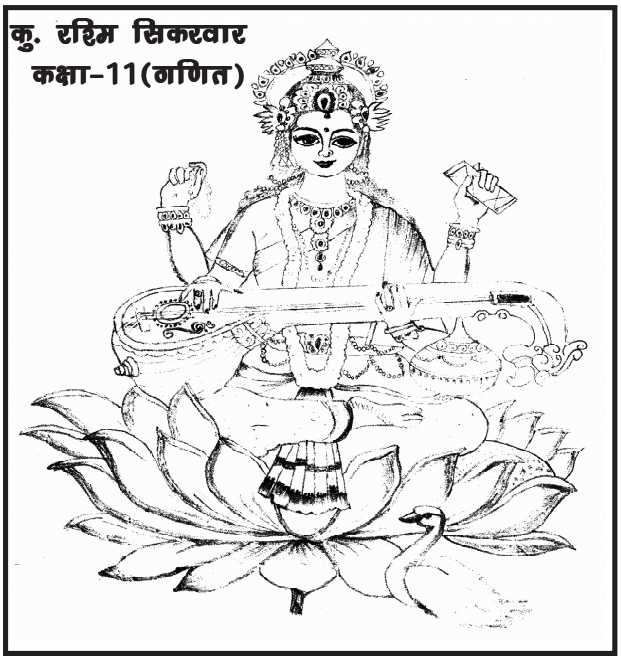

कु. रश्मि सिकरवार
कक्षा–11(गणित)

देखो हँस न देना

1. टीचर (पिंटू से) : विटामिन 'सी' किस चीज में सबसे अधिक पाया जाता है।
पिंटू : जी, मैम मिर्च में।
टीचर : मिर्च में, वह कैसे, आँवले में क्यों नहीं।
पिंटू : जी, मैम, जो मिर्च खाते हैं,
वे जल्दी ही सी–सी करने लगते हैं।

2. चिंटू और पिंटू एक दिन चिड़िया घर घूमने गये, वहाँ दोनों ने कंगारू देखा, कंगारू के पेट में बने थैले से बच्चा झाँक रहा था।
चिंटू : यार, पिंटू, इस कंगारू का बच्चा अगर खो जाये तो वह क्या बोलेगा?
चिंटू : अरे, वह बोलेगा, आइला आइला, देखो किसी ने मेरा पाकेट मार लिया।

3 अप्पू (मम्मी से) : मम्मी, देखो–देखो, मैंने लिखना सीख लिया है
मम्मी : शाबाश बेटा, अच्छा बताओ, तुमने क्या लिखा है?
अप्पू : पर मम्मी, मैंने तो अभी पढ़ना थोड़े ही सीखा है।

4 एक मोटा आदमी अपने मोटापे से परेशान होकर छत से कूद गया। दूसरे दिन अस्पताल में होश आने पर उसने डॉक्टर से पूछा, मैं जिन्दा कैसे बच गया?
डॉक्टर : यह तो ऊपर वाला जाने, लेकिन जिन तीन लोगों पर आप गिरे, वे तो नहीं बचे।

5 टीचर (राम से) : मैंने तुमसे कहा था कि बिल्ली, शेर, मुर्गे और चूहे की तस्वीर बना कर लाना। तुम ने सिर्फ बिल्ली की ही तस्वीर क्यों बनायी?
राम : सर, बिल्ली, चूहे और मुर्गे दोनों को खा गयी और मैंने शेर की इसलिए नहीं बनायी कि कहीं वह बिल्ली को न खा जाये।

–सौरभ सोलंकी
कक्षा– 11(गणित)

Butterfully

Butterfly Butterfly, fly to the tree,
Butterfly Butterfly, touch the door,
Butterfly Butterfly, come back to me,
Butterfly Butterfly, up, up, up.
Butterfly Butterfly, come, come, come.
Butterfly Butterfly, down, down, down.
Butterfly Butterfly, out, out, out.

-Shreya Shirdhonkar
Class V Dolphin

Prayer

O God, O God,
You are my father,
I am your little child,
Give me your love,
Show me your light.

-Sumit Raghuwanshi
Class IV Dolphin

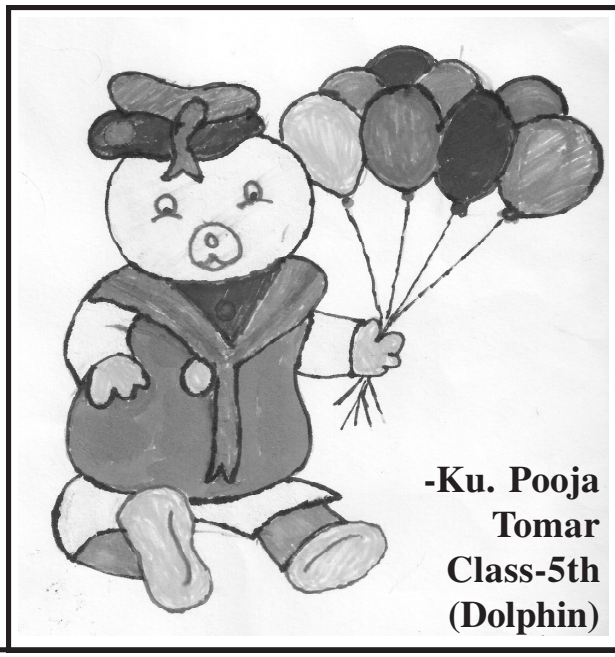

-Ku. Pooja Tomar
Class-5th
(Dolphin)

Brave

One who does
others life save
Who is a
real brave
One who keeps
his patience.
In hurdles and
in circumstance.
One whose work
is great.
One who is
a real brave.
One who is
cool and calm.
devoted to work
all time.
Who can take out other
from the dark cave.
Who is a
real brave.

-Mr. Neelesh Jain
Assit. Teacher Dolphin

About Our Madhaya Pradesh

Date of Formation-	**1 November 1956**
Geogrophical Area-	**308245 Sq Kms.**
Geogrophical Location-	**2106 North to 26054 North Latitude and 740 to 82047 East Longitude.**
State Capital-	**Bhopal**
State-	**Hindi**
District	**50**
Total Villages	**55393**
Total Town/Cities	**394**

-Shantanu Sharma
Class 6th (Dolphin)

भोज्यपदार्थाः

रोटिका	–	रोटी
प्ररोटिका	–	पराँठा
पूरिका	–	पूरी
शाकम्	–	सब्जी
सूप	–	दाल (पकी हुई)
ओदनम्	–	भात
अवलेहः	–	अचार
शकुली	–	कचौड़ी
संयावकः	–	हलवा
सुपिष्टम्	–	बिस्किट
दुग्धम्	–	दूध
लवणम्	–	नमक
मिष्टान्नम्	–	मिठाई।

–कु. यशदा भारद्वाज
कक्षा–3 (डॉल्फिन)

Books & their Authors

Books	*Authors*
Discovery of India	*- Jawaharlal Nehru*
My Experiments with truth	*- Mahatma Gandhi*
A take of two cities	*- Charles Dickens*
The Jungle Book	*- Rudyard kipling*
Panchatantra	*- Vishnu Sharma*
Robinson Crusoe	*- Daniel Defoe*
Black Beauty	*- Anna Sewell*
Alice in Wonderland	*- Lewis Carroll*
Hitopadesha	*- Narayana*
Letter from his father to daughter	*- Jawaharlal Nehru*
Gulliver's Travels	*- Jonathan Swift*
Treasure Island	*- Robert Louis Stevenson*

-Akshay Tiwari
Class VIth Dolphin

MERIT LIST TERMINAL EXAM 2010

Class	Student's Name	Mother's Name	Father's Name	Marks	Per.	Rank
Nursery	Ku. Aditi Sikarwar	Mrs. Rashmi	Mr. Surendra	100/100	100%	I
	Abhijeet Raghuwanshi	Mrs. Preeti	Mr. Laxman Singh	100/100	100%	I
	Aditya Meena	Mrs. Vimla	Mr. Balbeer singh	100/100	100%	I
	Rampal Singh	Mrs. Seeta	Mr. Santosh Singh	99/100	99%	II
	Ku. Rishita Jain	Mrs. Renu	Mr. Mukesh Jain	98/100	98%	III
K.G.I	Ku. Priya Panthi	Mrs. Mohini	Mr. Ramsevak	199/200	99.5%	I
	Pranjal Raghuwanshi	Mrs. Vinita	Mr. Khub Singh	199/200	99.5%	I
	Ku. Prathibha Patel	Mrs. Manorama	Mr. Ramkrishna	198/200	99%	II
	Varisha Sayed	Mrs. Nasiman	Mr. Sayed Jalal	197/200	98.5%	III
	Sumit Raghuwanshi	Mrs. Padma	Mr. RamKrishna	197/200	98.5%	III
K.G.II.	Ku. Ritika Chaudhary	Mrs. Suman	Mr. Rajesh	200/200	100%	I
	Yash Raghuwanshi	Mrs. Vinita	Mr. Yogesh	198/200	99%	II
	Ishan Dubey	Mrs. Seema	Mr. Jitendra	197/200	98.5%	III
Std I	Harshit Sikarwar	Mrs. Bharti	Mr. Dheerendra	196/200	98%	I
	Rahul Wadhwani	Mrs. Ritu	Mr. Ram	184/200	92%	II
	Ku. Akshada Deshpandey	Mrs. Ratna	Mr. Manish	180/200	90%	III
Std II	Dhruv Rai	Mrs. Roshni	Mr. Subhash	194/200	97%	I
	Ku. Bhumi Nema	Mrs. Meena	Mr. Dinesh	191/200	95.5%	II
	Ku. Divya Shrivastava	Mrs. Savita	Mr. Sushil	190/200	95%	III
Std III	Ku. Nikita Chauksey	Mrs. Mamta	Mr. Atul	193/200	96.5%	I
	Ku. Chitranshi Shrivastava	Mrs. Madhu	Mr. Omprakash	190/200	95%	II
	Ku. Kanupriya Mehta	Mrs. Vandana	Mr. Rajendra	189/200	94.5%	III
Std IV	Ku. Sini Mahalwar	Mrs. Savita	Mr. Vinod	190/200	95%	I
	Sumit Raghuwanshi	Mrs. Gayatri	Mr. Keshri	185/200	92.5%	II
	Ku. Stuti Sharma	Mrs. Rama	Mr. Santosh	181/200	90.5%	III
Std V	Aniruddha Sharma	Mrs. Neetu	Mr. Manoj	188/200	94%	I
	Piyush Mathur	Mrs. Meenakshi	Mr. Sanjay	169/200	84.5%	II
	Kapil Raghuwanshi	Mrs. Kamla	Mr. Parvat Singh	167/200	83.5%	III
Std VI	Akashay Tiwari	Mrs. Savita	Mr. Manoj Kumar	275/300	91.6%	I
	Nitin Richhariya	Mrs. Neetu	Mr. Anil	262/300	87.3%	II
	Ku. Sanskruti Dixit	Mrs. Sadhana	Mr. Adhesh	261/300	87%	III

"जीवन जीने से कोई बूढ़ा नहीं होता है, वह बूढ़ा होता है,

त्रैमासिक परीक्षा 2010

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	माता का नाम	पिता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
शिशु क	जय प्रकाश त्रिवेदी	श्रीमती सुनीता	श्री गोपालकृष्ण	48.5/50	97	प्रथम
	हरषु पाल	श्रीमती जयकुमारी	श्री राजकुमार	48/50	96	द्वितीय
	कु. स्नेहा पाल	श्रीमती गायत्री	श्री मुकेश पाल	47.5/50	95	तृतीय
	गोलू राजपूत	श्रीमती सुनीता	श्री तेजसिंह	47.5/50	95	तृतीय
शिशु ख	कु. तनु रघुवंशी	श्रीमती हीरा रघुवंशी	श्री बलवीर सिंह	95.5/100	95.5	प्रथम
	कु. स्वाति राजपूत	श्रीमती शिवकुमारी	श्री ब्रजभान सिंह	95.5/100	95.5	प्रथम
	सुदीप दाँगी	श्रीमती शर्मिला	श्री बलराम दाँगी	95/100	95	द्वितीय
	कु. स्वीटी रघुवंशी	श्रीमती रेखा रघुवंशी	श्री संजीव सिंह	95/100	95	द्वितीय
	कु. शशि रघुवंशी	श्रीमती सविता	श्री अर्जुन सिंह	93.5/100	93.5	तृतीय
कक्षा-1	कु. विपाशा दाँगी	श्रीमती रामाबाई	श्री राघवेन्द्र दाँगी	232/250	92.8	प्रथम
	कु. तनिशा रघुवंशी	श्रीमती बबीता	श्री राकेश सिंह	220/250	88	द्वितीय
	कु. प्रियांशी कुर्मी	श्रीमती रानी कुर्मी	श्री कृपालसिंह	212/250	84.8	तृतीय
कक्षा-2	सुरेन्द्र सिंह दाँगी	श्रीमती अनीता दाँगी	श्री सुन्दर सिंह	241/250	96.4	प्रथम
	कु. रौनक दाँगी	श्रीमती अंजना	श्री रामावतार दाँगी	228/250	91.2	द्वितीय
	पीयूष चौरसिया	श्रीमती रमा	श्री राजेश चौरसिया	209/250	83.6	तृतीय
कक्षा-3	कु. स्नेहा रघुवंशी	श्रीमती ममता	श्री ब्रजेन्द्र सिंह	234/250	93.6	प्रथम
	कु. वैशाली रघुवंशी	श्रीमती विनीता	श्री रामबाबू	229/250	91.6	द्वितीय
	कु. प्रार्थना लोधी	श्रीमती शीलाबाई	श्री हरिनारायण	227/250	90.8	तृतीय
	राहुल मीना	श्रीमती भूरीबाई	श्री गजेन्द्र सिंह	227/250	90.8	तृतीय
कक्षा-4	भास्कर पाण्डे	श्रीमती महिमा	श्री विनय कुमार	229/250	91	प्रथम
	मोहित भार्गव	श्रीमती हेमलता	श्री प्रदीप कुमार	226/250	90	द्वितीय
	कु. अपूर्वा रघुवंशी	श्रीमती प्रीति	श्री अजीत सिंह	216/250	86	तृतीय
कक्षा-5	कु. शेख रमीम	श्रीमती शहाना परवीन	श्री शेख साबिर	226/250	90	प्रथम
	कु. सोनम रघुवंशी	श्रीमती नन्नीबाई	श्री नारायणसिंह	216/250	86	द्वितीय
	सुदीप दाँगी	श्रीमती शिमला दाँगी	श्री बलराम सिंह	203/250	81	तृतीय
कक्षा-6	कु. साक्षी राय	श्रीमती सीमा	श्री संतोष कुमार	290/300	96.66	प्रथम
	कु. मनीषा शर्मा	श्रीमती अनीता शर्मा	श्री बालाराम शर्मा	288/300	96	द्वितीय
	कु. आकांक्षा बैरागी	श्रीमती सोना	श्री विशाल कुमार	286/300	95.33	तृतीय
कक्षा-7	कु. क्षमा राय	श्रीमती सीमा राय	श्री संतोष कुमार राय	292/300	97.33	प्रथम
	कु. पायल जैन	श्रीमती मंजू जैन	श्री प्रमोद कुमार जैन	290/300	96.66	द्वितीय
	कु. कृतिका चौधरी	श्रीमती सुमन	श्री राजेश कुमार	284/300	94.66	तृतीय
	कु. अपूर्वा दाँगी	श्रीमती लता दाँगी	श्री धर्मेन्द्र दाँगी	284/300	94.66	तृतीय

त्रैमासिक परीक्षा 2010

कक्षा	छात्र/छात्रा का नाम	माता का नाम	पिता का नाम	प्राप्तांक	प्रतिशत	स्थान
कक्षा-8	तरूण नगाइच	श्रीमती ममता	श्री कमलेश नगाइच	289/300	96.33	प्रथम
	शुभम् आंचवल	श्रीमती सीमा	श्री संतोष राव	288/300	96	द्वितीय
	कु. चंचल भारद्वाज	श्रीमती मीना	श्री अनिल भारद्वाज	285/300	95	तृतीय
कक्षा-9	कु. उमा दाँगी	श्रीमती संध्या दाँगी	श्री धीरज सिंह	574/600	95.67	प्रथम
	कु. शिवानी आंचवल	श्रीमती सीमा	श्री सन्तोष राव	571/600	95.1	द्वितीय
	कु. मीनू रघुवंशी	श्रीमती गुड्डी रघुवंशी	श्री अर्जुन सिंह	551/600	91.8	तृतीय
कक्षा-10	नीलेश सैनी	श्रीमती किरण सैनी	श्री ओमप्रकाश	562/600	93.6	प्रथम
	कु. सुरभि पटवा	श्रीमती शकुन्तला	श्री नरेश कुमार	544/600	90.6	द्वितीय
	अभिषेक रघुवंशी	श्रीमती सविता	श्री महेश रघुवंशी	541/600	90.1	तृतीय
कक्षा-11	प्रदीप राजपूत	श्रीमती कृष्णा	श्री अमोलसिंह	481/500	96.2	प्रथम
(गणित)	कु. रूचि राय	श्रीमती सीमा राय	श्री सन्तोष राय	466/500	93.2	द्वितीय
	संजय रघुवंशी	श्रीमती कान्ति रघुवंशी	श्री भीमसिंह	456/500	91.2	तृतीय
कक्षा-11	कु. वैशाली दाँगी	श्रीमती जानकी	श्री भगवत सिंह	468/500	93.6	प्रथम
(जीवविज्ञान)	अभय कुमार लोधी	श्रीमती त्रिवेणी बाई	श्री कोमलप्रसाद	427/500	85.4	द्वितीय
	शुभम् तारण	श्रीमती संगीता तारण	श्री संजीव तारण	403/500	80.6	तृतीय
कक्षा-11	कु. पियंका रघुवंशी	श्रीमती अनीता	श्री रामकृष्ण	404/500	80.8	प्रथम
(वाणिज्य)	कु. रजनी रघुवंशी	श्रीमती देवकी	श्री खूबसिंह	386/500	77.2	द्वितीय
	सुशील श्रीवास्तव	श्रीमती सरोजबाई	श्री शिवचरण	316/500	63.2	तृतीय
कक्षा-12	कु. अदिति तिवारी	श्रीमती कल्पना	श्री लखनलाल	469/500	93.8	प्रथम
(गणित)	कु. साक्षी जैन	श्रीमती रेखा जैन	श्री संजय कुमार	464/500	92.8	द्वितीय
	नीरज दाँगी	श्रीमती लता दाँगी	श्री प्रहलाद सिंह	450/500	90	तृतीय
	आशीष शर्मा	श्रीमती रजनी शर्मा	श्री दयाशंकर शर्मा	450/500	90	तृतीय
कक्षा-12	कु. मोनिका पाल	श्रीमती किरण पाल	श्री हरिनारायण	372/500	74.4	प्रथम
(जीवविज्ञान)	कु. शिवांगी औदिच्य	श्रीमती रूपाली	श्री संजय कुमार	368/500	73.6	द्वितीय
	कु. हर्षिता श्रीवास्तव	श्रीमती मंजुलता	श्री प्रदीप श्रीवास्तव	352/500	70.4	तृतीय
कक्षा-12	प्रशान्त कुमार जैन	श्रीमती ऋतु जैन	श्री प्रभात कुमार	441/500	88.2	प्रथम
(वाणिज्य)	कु. सिमरन वाधवानी	श्रीमती रीना वाधवानी	श्री मनोहरलाल	429/500	85.8	द्वितीय
	कु. हर्षा रघुवंशी	श्रीमती ज्ञानवती	श्री राजेन्द्र सिंह	404/500	80.8	तृतीय